



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग III—खण्ड 4  
PART III—Section 4  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

210] नई दिल्ली, मंगलवार, अक्टूबर 25, 2011/कार्तिक 3, 1933  
210] NEW DELHI, TUESDAY, OCTOBER 25, 2011/KARTIKA 3, 1933

## भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 अक्टूबर, 2011

दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान (सातवां संशोधन) विनियम, 2011 (2011 का 6)

सं. 352-4/2011-सीए (क्यूओएस).—भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण अधिनियम, 1997 (1997 24वां) की धारा 11 की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) के उप-खण्ड (v) तथा धारा 11 की उप-धारा (1) के खण्ड ) के साथ पठित धारा 36 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण एतद्वारा निलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

1. (1) इन विनियमों को दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान (सातवां संशोधन) विनियम, 2011 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2010 (2010 का 6वां) जिसे यहां आगे मूल यम कहा गया है) के विनियम 2 के खण्ड (न) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“(नक) ‘प्रचारक (प्रमोशनल) एसएमएस प्रभार’ से आशय किसी पंजीकृत टेलीमाकैटर द्वारा मूल सेवा प्रदाता के नेटवर्क से अंतिम सेवा प्रदाता के नेटवर्क को भेजे गए प्रत्येक प्रचारक (प्रमोशनल) एसएमएस के लिए मूल सेवा प्रदाता द्वारा अंतिम सेवा प्रदाता को देय प्रभार से है”

3. मूल नियम 16 के पश्चात निम्नलिखित खण्ड अंतः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“16क लेनदेन संबंधी संदेश का संप्रेषण — किसी निकाय द्वारा तैयार किया गया प्रत्येक लेनदेन संबंधी संदेश उस निकाय द्वारा प्रत्यक्ष रूप से अथवा किसी पंजीकृत टेलीमार्केटर के माध्यम से भेजा जाएगा।”

4. मूल विनियम के विनियम 17 में, —

(क) उप-विनियम (4) के लिए निम्नलिखित उप-विनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(4) लेनदेन संबंधी संदेश भेजने के उद्देश्य से कोई निकाय अथवा टेलीमार्केटर को कोई दूरसंचार संसाधन उपलब्ध कराने से पहले थोड़े समय के लागू किसी अन्य विधि के अंतर्गत यथा आवश्यक किन्हीं अन्य व्यवस्थाओं के अलावा इन विनियमों की अनुसूची—V में विनिर्दिष्ट मानक करार करेगा।

बशर्त कि इस उप-विनियम में जो अन्तर्निहित नहीं है वह ऐसे एक्सेस प्रदाताओं के लिए लागू होगा जो अपने कर्मचारियों को अपने स्वयं के नेटवर्क के माध्यम से लेनदेन संबंधी संदेश भेजते हैं।”

5. मूल विनियम के विनियम 20 के उप-विनियम (2) में, —

(क) खण्ड (ट) के लिए निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(ट) कोई भी एक्सेस प्रदाता लेनदेन संबंधी संदेश भेजने वाले किसी टेलीमार्केटर अथवा किसी निकाय से इतर किसी अन्य व्यक्ति को किसी भी रूप जैसे विशेष रिचार्ज बाउचर, विद्यार्थी पैक, मौसमी पैक आदि में ऐसे कोई टैरिफ प्लान अथवा एसएमएस पैकेज उपलब्ध नहीं कराएगा जिनमें समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार प्राधिकरण द्वारा यथा विनिर्दिष्ट “ब्लैकआउट दिवसों” और अतिरिक्त दिवसों को छोड़कर प्रति सिम कार्ड प्रति दिन 100 से अधिक एसएमएस भेजने की अनुमति प्रदान की गई हो और ऐसे किसी व्यक्ति को पहले से उपलब्ध कराए गए ऐसे सभी एसएमएस पैकेजों का उनकी अंतिम तिथि समाप्त होने के पश्चात नवीनीकरण नहीं किया जाएगा।

बशर्ते कि किसी टेलीमार्केटर से इतर किसी अन्य उपभोक्ता को पहले से उपलब्ध कराए गए सभी एसएमएस पैकेज इन विनियमों के लागू होने के पश्चात समाप्त कर दिए जाएंगे;

**स्पष्टीकरण:** इस उप-खण्ड के उद्देश्य से "ब्लैकआउट दिवसों" से आशय ऐसे दिनों से है, जिनमें मुफ्त अथवा छूट प्राप्त कॉल अथवा एसएमएस लागू नहीं होते हैं।"

(ख) खण्ड (टक) के दूसरे उपबंध के पश्चात निम्नलिखित उपबंध अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात :-

बशर्ते यह भी कि 100 एसएमएस प्रतिदिन प्रति सिम कार्ड की सीमा लेनदेन संबंधी संदेश भेजने वाले टेलीमार्केटर अथवा निकाय के लिए लागू नहीं होगी;

6. मूल विनियम के विनियम 20 के पश्चात निम्नलिखित विनियम अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात :-

" 20क प्रचारक एसएमएस प्रभार (1) प्रचारक एसएमएस प्रभार प्रति एसएमएस 0.05 रूपए (5 पैसा मात्र) होगा।

(2) भेजने वाला एक्सेस प्रदाता प्रचारक एसएमएस प्रभार पंजीकृत टेलीमार्केटर से वसूल करेगा।"

7. मूल विनियम की अनुसूची-V में—

(क) शीर्ष में "एक्सेस प्रदाता तथा" के बाद एवं " संव्यवहारिक संदेश" शब्दों के पहले, " टेलीमार्केटर या" शब्द अंतःस्थापित किया जाएगा;

(ख) करार के खण्ड (1) के लिए निम्नलिखित उपबंध प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात :-

" (1) द्वितीय पक्ष द्वारा यह घोषणा की जाएगी कि वह भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के साथ आवेदन संख्या ..... द्वारा पंजीकृत है तथा उसे भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण द्वारा पंजीकरण संख्या..... प्रदान की गई है (टेलीमार्केटर के मामले में लागू )"

8. मूल विनियम की अनुसूची-VI में—

(क) पैरा 4 के लिए निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात :-

" 4. कोई उपभोक्ता अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण संबंधी शिकायत नीचे दिए गए फॉर्मट में 1909 पर एसएमएस भेज कर दर्ज करा सकता है:-

"COMP TEL NO XXXXXXXXXX; dd/mm/yy; Time in hh:mm; अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण का संक्षिप्त विवरण।

जहां - XXXXXXXXXX वह दूरभाष संख्या अथवा एसएमएस का हेडर है, जैसा भी मामला हो, है जहां से अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण मूल रूप से भेजा गया है।"

आर. के. आर्नल्ड, सचिव

[सं. विज्ञापन III/4/142/11/असा.]

**टिप्पणी 1 :** मूल विनियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खण्ड 4, में अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस, तारीख : 1 दिसम्बर, 2010 द्वारा प्रकाशित किए गए।

**टिप्पणी 2 :** मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस द्वारा संशोधित किए गए तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खण्ड 4 में तारीख: 14 दिसंबर, 2010 को प्रकाशित किए गए।

**टिप्पणी 3 :** मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस द्वारा पुनः संशोधित (दूसरा संशोधन) किए गए तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खण्ड 4 में तारीख: 28 दिसंबर, 2010 को प्रकाशित किए गए।

**टिप्पणी 4 :** मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस द्वारा पुनः संशोधित (तीसरा संशोधन) किए गए तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खण्ड 4 में तारीख: 31 जनवरी, 2011 को प्रकाशित किए गए।

**टिप्पणी 5 :** मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस द्वारा पुनः संशोधित (चौथा संशोधन) किए गए तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खण्ड 4 में तारीख: 28 फरवरी, 2011 को प्रकाशित किए गए।

**टिप्पणी 6 :** मूल विनियम अधिसूचना संख्या 305-17/2010-क्यूओएस द्वारा पुनः संशोधित (पांचवां संशोधन) किए गए तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खण्ड 4 में तारीख: 18 मार्च, 2011 को प्रकाशित किए गए।

**टिप्पणी 7 :** मूल विनियम अधिसूचना संख्या 352-4/2011-सीए(क्यूओएस) (खण्ड) द्वारा पुनः संशोधित (छठवां संशोधन) किए गए तथा भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग III, खण्ड 4 में तारीख: 5 सितंबर, 2011 को प्रकाशित किए गए।

**टिप्पणी 8 :** व्याख्यात्मक ज्ञापन में दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान (सातवां संशोधन) विनियम, 2011 (2011 का 6) की विषयवस्तु और कारणों की व्याख्या की गई है।

### व्याख्यात्मक ज्ञापन

1. भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण को रोकने के लिए प्रभावी व्यवस्था उपलब्ध कराने हेतु दूरसंचार वाणिज्यिक संप्रेषण उपभोक्ता अधिमान विनियम, 2010 (2010 का 6वां) तारीख: 1 दिसंबर, 2010 बनाया।
2. मूल विनियम लेनदेन संबंधी संदेश भेजने के लिए एक तंत्र उपलब्ध कराता है, जहां निकाय(कम्पनी) केवल भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण के साथ पंजीकृत टेलीमार्केटर के माध्यम से ही लेनदेन संबंधी संदेश भेज सकता है। भादूविप्रा को उपभोक्ताओं एवं अन्य संगठनों से अनेक अभ्यावेदन प्राप्त हुए, जिनमें कहा गया है कि लेनदेन संबंधी संदेश सामान्यतः सूचना परक प्रकृति के होते हैं, अतः केवल पंजीकृत टेलीमार्केटरों के माध्यम से ही लेनदेन संबंधी संदेश भेजने की अनुमति प्रदान करने वाले मूल नियम के उपबन्धों में संशोधन किए जाने की आवश्यकता है ताकि इस प्रकार के निकायों को टेलीमार्केटर के रूप में पंजीकृत कराए बिना लेनदेन संबंधी संदेश सीधे भेजने की अनुमति दी जा सके। प्राधिकरण ने इन प्रतिवेदनों पर विचार किया और मूल विनियम में विनियम 16क अंतःस्थापित कर तदनुसार मूल विनियम में संशोधन किया है। तथापि इस प्रकार के निकायों द्वारा लेनदेन संबंधी संदेश भेजने की प्रक्रिया का प्रभावी रूप से विनियमन सुनिश्चित करने के लिए प्राधिकरण ने मूल विनियम 17 के उप विनियम (4) को संशोधित करने का निर्णय लिया है, जिसके अंतर्गत लेनदेन संबंधी संदेश भेजने वाले निकाय(कंपनी) को इस उद्देश्य से दूरसंचार संसाधन प्राप्त करने के लिए एक्सेस प्रदाता कंपनी के साथ करार करना होगा जैसा कि मूल विनियम की अनुसूची - V में विनिर्दिष्ट है।

3. प्राधिकरण द्वारा मूल विनियम के विनियम 20 के उप-विनियम (2) के खण्ड (ट) में "अथवा लेनदेन संबंधी संदेश भेजने वाला निकाय" शब्द अंतःस्थापित कर संशोधन

किया है ताकि एक्सेस प्रदाता द्वारा ऐसे निकाय (कंपनी) को प्रति सिम प्रति दिन 100 से अधिक एसएमएस भेजने की अनुमति देने वाला कोई भी एसएमएस पैकेज या टैरिफ प्लान प्रदान किया जा सके।

4. मूल विनियम के विनियम 20 के उप-विनियम (2) के खण्ड (टक) के अंतर्गत यह प्रावधान किया गया है कि कोई भी एक्सेस प्रदाता प्रति सिम प्रति दिन 100 से अधिक एसएमएस भेजने की अनुमति नहीं देगा। चूंकि टेलीमार्केटर और लेनदेन संबंधी संदेश भेजने वाले निकाय की आवश्यकता उपर्युक्त खण्ड (टक) में यथाउपबंधित प्रति सिम प्रति दिन 100 एसएमएस भेजने की सीमा से अधिक है, अतः प्राधिकरण ने उक्त खण्ड में यह उपबंध जोड़ने का निर्णय लिया है जिसके अंतर्गत लेनदेन संबंधी संदेश भेजने वाले टेलीमार्केटर और निकाय (कंपनी) को उपर्युक्त सीमा से छूट प्रदान की गई है।

5. प्राधिकरण को कुछ सेवा प्रदाताओं से ऐसे प्रतिवेदन भी प्राप्त हुए हैं जिनमें उनके द्वारा स्वयं के नेटवर्क एवं संसाधनों से अपने कार्मिकों को लेनदेन संबंधी संदेश सीधे भेजने की अनुमति देने का अनुरोध किया गया है। तदनुसार, मूल विनियमों के विनियम 17 के उप-विनियम (4) में एक प्रावधान जोड़ा गया है।

6. मूल विनियमों में अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण (यूसीसी) के विरुद्ध एसएमएस भेज कर शिकायत दर्ज कराने का प्रारूप निर्धारित किया गया है। एसएमएस के इस प्रारूप में किस दूरभाष नम्बर से अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण (यूसीसी) प्राप्त हुआ है, कॉल या एसएमएस की तिथि तथा कॉल या एसएमएस का समय शामिल होना चाहिए। तथापि, प्राधिकरण के संज्ञान में आया है कि यह सुनिश्चित करने के लिए कि शिकायत अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण (यूसीसी) से संबंधित है, एक्सेस प्रदाता को संदेश की सामग्री देखने की आवश्यकता होती है। इस मुद्दे का निवारण करने तथा शिकायत दर्ज कराने एवं उसके निवारण की प्रक्रिया को सरल बनाने (स्ट्रीमलाइन करने) के उद्देश्य से प्राधिकरण ने अनुसूची-VI में यथाविनिर्दिष्ट एसएमएस प्रारूप में अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण (यूसीसी) का संक्षिप्त विवरण जोड़ने का निर्णय लिया है।

7. मूल विनियमों से संबंधित परामर्श प्रक्रिया के दौरान बहुत से स्टेकहोल्डरों ने मत व्यक्त किया कि वाणिज्यिक एसएमएस पर निलंबन प्रभार अधिरोपित करना वाणिज्यिक संचार के लिए प्रचारक एसएमएस के भेदभाव रहित प्रयोग की दृष्टि से एक प्रभावी कदम साबित हो सकता है। प्राधिकरण ने मूल विनियम जारी करते समय यह महसूस किया कि निलंबन प्रभार का अधिरोपण अंतःसंयोजन उपयोग प्रभार (आईयूसी) के क्षेत्र में है। अंतःसंयोजन उपयोग प्रभार पर परामर्श प्रक्रिया के दौरान जहां एक ओर अवांछनीय वाणिज्यिक संप्रेषण, विशेषतः एसएमएस की समस्या से निपटने के लिए प्रभार अधिरोपित किए जाने के संबंध में व्यापक समर्थन व्यक्त किया गया, वहीं दूसरी ओर यह भी मत व्यक्त किया गया कि निलंबन प्रभार का अधिरोपण लागत आधारित होना चाहिए। प्राधिकरण द्वारा यह पाया गया कि प्रचारक एसएमएस अधिकांशतः टेलीमार्केटरों द्वारा भेजे जाते हैं। व्यक्ति विशेष द्वारा भेजे जाने वाले संदेशों पर प्रतिबंध लगाने के उद्देश्य से प्राधिकरण द्वारा पहले ही प्रति सिम प्रति दिन 100 एसएमएस भेजने की सीमा अधिरोपित की गई है। परन्तु टेलीमार्केटरों के मामले में प्रचारक एसएमएस प्रचुर मात्रा में भेजने की प्रवृत्ति है जिससे उपभोक्ताओं को असुविधा के साथ-साथ नेटवर्क भी प्रभावित होता है।
8. उपर्युक्त कारकों पर ध्यानपूर्वक विचार करने के उपरान्त प्राधिकरण ने प्रचारक एसएमएस पर प्रभार अधिरोपित करने की आवश्यकता महसूस की। तदनुसार पंजीकृत टेलीमार्केटर द्वारा भेजे जाने वाले प्रचारक एसएमएस पर 0.05 ₹0 का प्रभार अधिरोपित करने के लिए प्रावधान किया है।

## TELECOM REGULATORY AUTHORITY OF INDIA NOTIFICATION

New Delhi, the 25th October, 2011

The Telecom Commercial Communications Customer Preference  
(Seventh Amendment) Regulations, 2011 (6 of 2011)

**No. 352-4/2011-CA(QoS).**—In exercise of powers conferred by section 36 read with sub-clauses (v) of clause (b) of sub-section (1) of section 11 and clause (c) of sub-section (1) of section 11 of the Telecom Regulatory Authority of India Act, 1997 (24 of 1997), the Telecom Regulatory Authority of India hereby makes the following regulations, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Telecom Commercial Communications Customer Preference (Seventh Amendment) Regulations, 2011.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the official Gazette.

2. In regulation 2 of the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulations, 2010 (6 of 2010) (hereinafter referred to as the principal regulations) after the clause (t), the following clause shall be inserted, namely:-

“(ta) “promotional SMS charge” means the charge payable by an Originating Access Provider to the Terminating Access Provider for each promotional SMS sent by a registered telemarketer from the network of the Originating Access Provider to the network of the Terminating Access Provider.”

3. After regulation 16 of the principal regulations, the following regulation shall be inserted, namely:-

“16A. **Communication of Transactional Message.**-Every Transactional message originated by an entity shall be sent directly by such entity or through a registered telemarketer.”

4. In regulation 17 of the principal regulations, ----

(a) for sub-regulation (4), the following sub-regulation shall be substituted, namely:-

“(4) Before providing any telecom resource to an entity or a telemarketer for the purpose of sending Transactional message, every Access Provider shall, in addition to any other arrangements as may be required under any other law for the time being in force, enter into a standard agreement as specified in Schedule-V to these regulations.

*Provided that* nothing contained in this sub-regulation shall apply to the Access Provider for the purpose of sending Transactional messages to its employees using its own network.”

5. In sub-regulation (2) of regulation 20 of the principal regulations, ----

(a) for clause (k), the following clause shall be substituted, namely:-



“(k) no Access Provider shall provide to any person, other than a telemarketer or an entity sending transactional message, any tariff plan or SMS package in any form such as special recharge voucher, student pack, seasonal pack etc. permitting sending of more than one hundred SMS per day per SIM except on ‘blackout days’ and additional days as may be specified by the Authority by direction issued from time to time and all such SMS packages already provided to any such person shall not be renewed after their expiry:

*Provided that* all SMS packages already provided to a customer other than to a telemarketer shall be discontinued on coming into force of these regulations;

*Explanation:* For the purpose of this sub-clause, ‘blackout days’ means the days on which free or concessional calls or SMS are not applicable.”

(b) After second proviso to clause (ka), the following proviso shall be inserted, namely:-

*“Provided also that* the limit of one hundred SMS per day per SIM shall not apply to a telemarketer or entity sending transactional messages;”

6. After regulation 20 of the principal regulations, the following regulation shall be inserted, namely:----

**“ 20A. Promotional SMS charge.-** (1) The promotional SMS charge shall be Re. 0.05 (five paise only).

(2) The Originating Access provider may collect the promotional SMS charge from the registered telemarketer.”

7. In Schedule-V to the principal regulations ---

(a) in heading after the words “Access Provider and” and before the words “Transactional message”, the words “telemarketer or” shall be inserted;

- (b) for the clause (1) of the agreement following clause shall be substituted, namely:-

“(1) The second party hereby declare that it has registered with the Telecom Regulatory Authority of India vide application No.....and the registration number granted by TRAI to it is \_\_\_\_\_(applicable in case of telemarketer).”

**8. In Schedule-VI to the principal regulations ---**

- (a) for para 4, the following para shall be substituted, namely:-

“4. A customer may register unsolicited commercial communications related complaint by sending SMS to 1909 in the format given below-

“COMP TEL NO XXXXXXXXXXXX;dd/mm/yy;Time in hh:mm; short description of Unsolicited Commercial Communication.”

Where XXXXXXXXXXXX – is the telephone number or header of the SMS, as the case may be, from which the unsolicited commercial communication has originated.”

R. K. ARNOLD, Secy.

[No. ADVT III/4/142/11/Exty.]

**Note 1 :** The principal regulations were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 vide notification No. 305-17/2010-QoS dated 1<sup>st</sup> December, 2010.

**Note 2 :** The principal regulations were amended vide notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 14<sup>th</sup> December, 2010.

**Note 3 :** The principal regulations were further amended (second amendment) vide notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 28<sup>th</sup> December, 2010.

**Note 4 :** The principal regulations were further amended (third amendment) vide notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 31<sup>st</sup> January, 2011.

**Note 5 :** The principal regulations were further amended (fourth amendment) vide notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 28<sup>th</sup> February, 2011.

**Note 6 :** The principal regulations were further amended (fifth amendment) vide notification No. 305-17/2010-QoS and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 18<sup>th</sup> March, 2011.

**Note 7 :** The principal regulations were further amended (Sixth amendment) vide notification No. 352-4/2011-CA (QoS) Pt. and published in the Gazette of India, Extraordinary, Part III, Section 4 dated 05<sup>th</sup> September, 2011.

**Note 8 :** The Explanatory Memorandum explains the objects and reasons of Telecom Commercial Communications Customer Preference (Seventh Amendment) Regulations, 2011 ( 6 of 2011).

305-17/11-4

### **Explanatory Memorandum**

1. The Telecom Regulatory Authority of India made the Telecom Commercial Communications Customer Preference Regulation, 2010 (6 of 2010) (hereinafter referred to as the principal regulations) dated the 1st December, 2010 to provide an effective mechanism for curbing unsolicited commercial communications.
2. The principal regulations provide a framework for sending of transactional messages, wherein an entity can only send a Transactional message through a telemarketer registered with TRAI. TRAI received several representations from customers and other organizations stating that Transactional messages are generally informative in nature and, therefore, the provisions of the principal regulations permitting the sending of Transactional messages only through registered telemarketers may be amended so as to allow such entities to send the Transactional messages directly without registering as a telemarketer. The Authority has considered these representations and has amended the principal regulations accordingly, by inserting regulation 16A in the principal regulations. However, to ensure that sending of Transactional messages by such entities is effectively regulated, the Authority has decided to amend sub-regulation (4) of regulation 17 of the principal regulations making it mandatory for the Transactional message sending entity to enter into an agreement with the Access Provider, as specified in Schedule –V of the principal regulations, for obtaining the telecom resources for the said purpose.

3. The Authority has also made amendments in clause (k) of sub-regulation (2) of regulation 20 of the principal regulations by inserting the words, “ or an entity sending transactional message”, thus permitting the Access Provider to provide to such entity any SMS package or tariff plan permitting sending more than 100 SMS per day per SIM.
4. Clause (ka) of sub-regulation (2) of regulation 20 of the principal regulations provides that no Access Provider shall permit sending of more than one hundred SMS per day per SIM. As the requirement of telemarketer and the entity sending the Transactional message is more than the limit of one hundred SMS per day per SIM provided under said clause (ka), the Authority has decided to add a proviso to the said clause thereby exempting the telemarketer and the entity sending the Transactional message from the said limit.
5. Representations were also received from some service providers requesting the Authority to permit them to send Transactional messages directly to their employees through their own network and resources. Accordingly, a proviso has been added to sub-regulation (4) of regulation 17 of the principal regulations.
6. The principal regulation had prescribed a format for lodging a complaint of Unsolicited Commercial Communications (UCC) by sending an SMS. This format of SMS should contain telephone number from which the UCC was received, date of the call or SMS and time of call or SMS. However, it has come to the notice of the Authority that to ascertain that the complaint is regarding a UCC, the Access

Provider needs to know the content of the message. To resolve the issue and to streamline the lodging and redressal of the complaint, the Authority has decided to add a brief description of UCC into the SMS format specified in schedule VI.

7. During the consultation process, relating to the principal regulations, several stakeholders expressed a view that imposition of a termination charge on commercial SMSs would be an effective deterrent to the sending of promotional SMSs. The Authority, at the time of issuing the principal regulations, felt that imposition of a termination charge was in the realm of Interconnect Usage charge (IUC). During the consultation process on IUC, while there was wide support for imposing a charge to deal with the menace of unsolicited commercial communications, particularly SMSs, an alternative view was that imposition of termination charge has to be cost based. The Authority found that promotional SMSs are being sent largely by the telemarketers. In order to deter private persons from sending the promotional SMS, the Authority has already imposed the limit of 100 SMS per SIM per day. But in case of telemarketers, there is a tendency to dump the promotional SMSs, resulting in inconvenience to consumers as well as networks.
8. After careful consideration of the above factors, the Authority felt the need to impose a promotional SMS charge. Accordingly a provision has been made for promotional SMS charge of Re 0.05 sent by registered telemarketer.